पृष्ठ भूमि, SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि

जिला – अनूपपुर

पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष योजना (2012–17)

सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल,भोपाल
(मध्यप्रदेश शासन की स्वशासी संस्था)
सी–402, चतुर्थ तल, नर्मदा भवन,
59, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
फोन: 0755–2570216, 2550368, फैक्स: 0755–2570218
ई–मेल : sushasank@gmail.com

विषय सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
अध्याय एक	**पृष्ठभूमि**	
	1.1 सामान्य परिचय	1
	1.2 संक्षिप्त इतिहास एवं दर्शनीय स्थल	3
	1.3 भौगोलिक स्थिति	3
	1.4 प्रशासनिक संरचना	4
	1.5 जलवायु	5-6
	1.5.1 विकासखंडवार जिले की वर्षा की जानकारी	
	1.5.2 जिले की औसत वार्षिक वर्षा	
	1.6 मानव संसाधन–जनसंख्या	6-10
	1.6.1 जिले की शहरी/ग्रामीण जनसंख्या	
	1.6.2 जिला/विकासखण्डवार ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या	
	1.6.3 जिला/विकासखण्डवार ग्रामों का वर्गीकरण	
	1.6.4 जिला/विकासखण्डवार जनसांख्यिकी विवरण	
	1.6.5 विकासखण्ड अनुसूचित जाति व जनजाति की जनसंख्या	
	1.6.6 जनसंख्या, लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात	
	1.6.7 जिले की जनसंख्या वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े	
	1.6.8 देश, प्रदेश एवं जिले की वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े	
	1.7 शिक्षा एवं साक्षरता	10-13
	1.7.1 विकासखण्डवार साक्षरता दर	
	1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला साक्षरता संबंधित तुलनात्मक आंकड़े	
	1.7.3 जिला/विकासखण्डवार शालाओं की स्थिति	
	1.7.4 विकासखण्डवार छात्रों की संख्या	
	1.7.5 विकासखण्डवार छात्रावासों का विवरण	
	1.7.6 उच्च शिक्षा	
	1.8 स्वास्थ्य	14-15
	1.8.1 जिला/विकासखण्डवार स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति	
	1.8.2 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी	

1.9 कृषि 15-16

1.9.1 जिला/विकासखण्डवार रबी एवं खरीफ फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल

1.9.2 जिला/विकासखण्डवार भूमि उपयोग

1.10 पशुधन 17-18

1.10.1 विकासखण्डवार पशुधन का विवरण

1.10.2 पशुधन के लिए विकासखंडवार चिकित्सा सुविधायें

1.11 सिंचाई 18-19

1.11.1 जिला/विकासखण्डवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण

1.11.2 विकासखण्डवार छः वर्षो में जलस्तर की स्थिति

1.12 सड़क एवं रेल मार्ग 20-21

1.12.1 विकासखंडवार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनांतर्गत सड़को का विवरण

1.12.2 विकासखण्डवार सड़कों का विवरण

1.12.3 विकासखण्डवार पुल–पुलियों का विवरण

1.13 वन 22

1.14 महिला एवं बाल विकास 22-23

1.15 पेयजल 23-25

1.15.1 हैण्डपंपों का विवरण

1.15.2 ग्रामीण एवं नगरीय जल प्रदाय योजनाओं का विवरण

1.16 सहकारिता 25-26

1.16.1 विकासखण्डवार शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का विवरण

1.16.2 सहकारी संस्थाओं की संख्या

1.17 संचार 26-28

1.17.1 विकासखंडवार डाक एवं तार व्यवस्था

1.17.2 विकासखंड स्तरीय वीडियो कॉफ्रेंसिंग सुविधा

1.17.3 हैलो अनूपपुर

1.17.4 विकासखंडवार सामुदायिक सेवा केन्द्रो का विवरण

1.18 विद्युतीकरण 28-30

1.18.1 तहसीलवार विद्युत उपस्टेशन एवं वितरण केन्द्रों का विवरण

1.18.2 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामों का विवरण

	1.18.3 जिले विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति	
	1.19 खनिज एवं उद्योग	**30-31**
	1.19.1 जिले में लघु उद्योगों की स्थापना	
	1.19.2 प्रमुख खनिज पदार्थ राजस्व	
	1.20 वित्तीय संस्थाएं	**32**
	1.21 रोजगार की स्थिति	**32-33**
	1.21.1 विकासखण्डवार रोजगार	
	1.21.2 विकासखण्डवार प्रमुख व्यावसायिक समूह	
अध्याय दो	**SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि**	
	2.1 SWOT विश्लेषण	**34-39**
	2.1.1 जिले की ताकत	
	2.1.2 जिले की कमजोरी	
	2.1.3 जिले की अवसर	
	2.1.4 जिले के खतरे	
	2.2 विकासात्मक दिग्दर्शिका	**39**
	2.3 जिला दृष्टि	**40**
	2.4 जिले के विभिन्न विकासखण्डों की ताकतों, कमजोरियों, अवसरो एवं खतरों का तुलनात्मक विश्लेषण	**41-42**

अध्याय–एक
जिले की पृष्ठभूमि

1.1 सामान्य परिचय

अनूपपुर जिला मध्यप्रदेष का नवगठित जिला है। अनूपपुर जिले का गठन दिनांक 15 अगस्त, 2003 को शहडोल जिले को विभक्त कर किया गया है। अनूपपुर जिला मध्यप्रदेष के सीमावर्ती क्षेत्र के उत्तर–पूर्वी भाग में स्थित है। अनूपपुर जिले की सीमाएं दक्षिण में छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर एवं पूर्व में कोरिया जिले से तथा उत्तर एवं पश्चिम में मध्यप्रदेश राज्य के शहडोल, उमरिया एवं दक्षिण में डिण्डौरी जिले से लगी हुई हैं। 2001 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 6,67,155 है। नवगठित अनूपपुर जिले का कुल क्षेत्रफल 3,669 वर्ग किलोमीटर है, जो कि राज्य का 1.2 प्रतिशत है। इसकी सीमाएं पूर्व से पश्चिम तक 80 किलोमीटर और उत्तर से दक्षिण तक 70 किलोमीटर में फैली हुई है। जिले में जनसंख्या का घनत्व 180 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। यह जिला 23.10^0 से 35.36^0 तक उत्तरी अक्षांश तथा 41.40^0 से 82.10^0 तक पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। अनूपपुर जिला मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 656 किलोमीटर एवं संभागीय कार्यालय शहडोल से 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं।

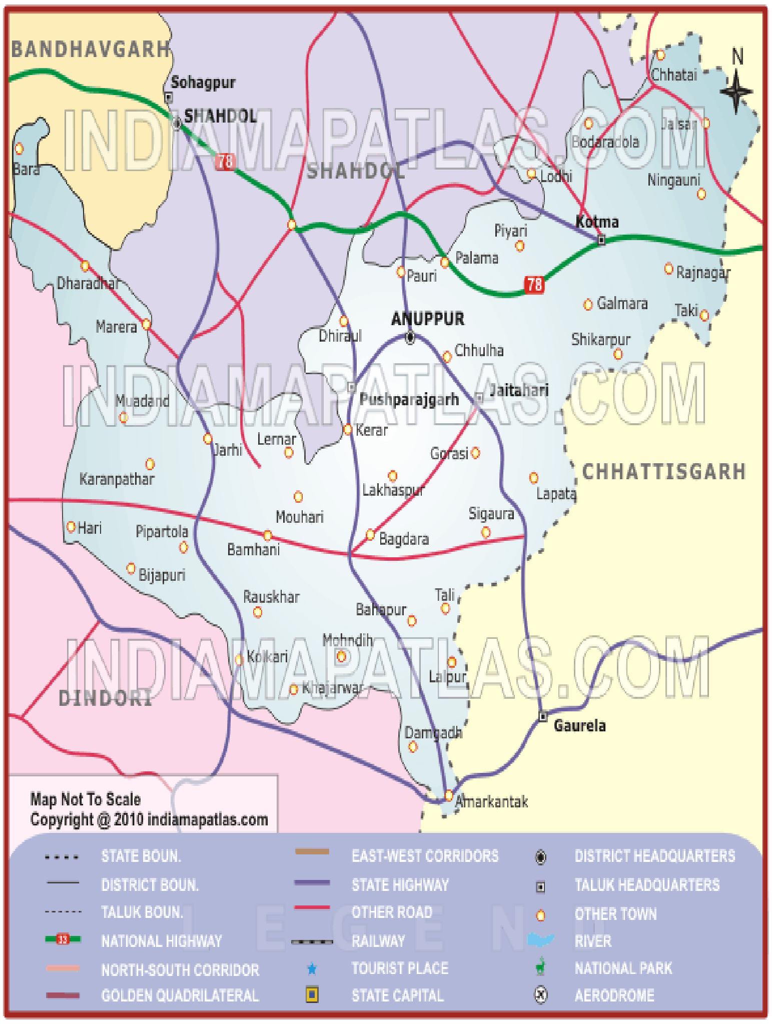

अनूपपुर जिले के कोतमा एवं जैतहरी विकासखण्ड में साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड को तीन परियोजना क्षेत्र (1) जमुना कोतमा, (2) सोहागपुर एवं (3) हसदेव स्वीकृत है। इन तीनों परियोजनाओं में स्वीकृत खदानों का सर्वाधिक क्षेत्र कोतमा विकासखण्ड में आता है।

अनूपपुर जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है। जिले में चार तहसीलें एवं चार ही विकासखण्ड है। चारों विकासखण्ड आदिवासी विकासखण्ड है। जिले में अनूपपुर, कोतमा, अमरकंटक, बिजुरी, जैतहरी एवं पसान प्रमुख नगर है। जनगणना 2001 के अनुसार जिले की आदिवासी जनसंख्या 30,276 हैं। जिले में कुल जनसंख्या में से आदिवासियों की जनसंख्या 46.41 प्रतिशत, अनुसूचित जाति की जनसंख्या 7.25 प्रतिशत एवं सामान्य वर्ग की जनसंख्या 46.34 प्रतिशत है। जिले की मुख्य जनजातियाँ गौंड, बैगा, पनीका, भारियां और कोल हैं एवं अन्य जातियां कुरमी, साहू, कलार, बनिया, ब्राम्हण और राजपूत हैं। आदिवासियों का जीवन स्तर बहुत सरल हैं। उनके घर बांस की चिपकी, धान के कोवल, मिट्टी तथा स्थानीय टाइल से बने होते हैं। आदिवासी पुरूष धोती, बंडी, पतोही और सिर में पगड़ी पहनते हैं तथा आदिवासी महिलाये साड़ी (जिसकों स्थानीय भाषा में 'कन्स' साड़ी कहते हैं) पहनती हैं। साड़ी सामान्यतः शरीर के रंग की होती है। आदिवासी समुदायों की महिलाएं अपने शरीर के अंगों जैसे हाथ, पैर और गले को विभिन्न रंगों से गुदवाती हैं। वे बांस, बीज तथा धातुओं से बने विभिन्न प्रकार के गहने पहनना पंसद करती हैं।

तालिका 1.1.1 अनूपपुर जिले की सामान्य जानकारी

क्र	विवरण	
1	विकासखण्ड	4
2	कुल ग्राम पंचायतें	282
3	कुल ग्रामों की संख्या	578
4	कुल जनसंख्या (2001 की जनगणना के अनुसार)	667155
5	कुल ग्रामीण जनसंख्या	471803
6	ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत	70.71%
7	अनुसूचित जाति का प्रतिशत	7.25%
8	अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत	46.41%
9	लिंग अनुपात (महिला / 1000 पुरूष)	961
10	गरीबी रेखा के नीचे के परिवारो का प्रतिशत	49.54%

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.2 संक्षिप्त इतिहास एवं दर्शनीय स्थल

अनूपपुर जिला मध्यप्रदेष का नवगठित जिला है। अनूपपुर जिले का गठन दिनांक 15 अगस्त, 2003 को शहडोल जिले को विभक्त कर किया गया है।

जिले के छत्तीसगढ़ प्रांत से लगे सीमावर्ती क्षेत्र–अमरकंटक, मध्यप्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा का उद्‌गम स्त्रोत तथा पवित्र नगरी है। यहां पूरे देश से धार्मिक आस्था रखने वाले श्रृद्धालु नर्मदा के उद्‌गम स्थल पर पूजा अर्चना हेतु आते हैं। अमरकंटक में नर्मदा, सोन एवं जोहिला नदियों का उद्‌गम स्थान है, जहां नर्मदा मंदिर, सोनमूड़ा, कपिलधारा, माई की बगिया आदि दर्शनीय स्थल है।

1.3 भौगोलिक स्थिति

भौगोलिक दृष्टि से अनूपपुर जिला पर्वत श्रेणियों एवं नदियों से आच्छादित है, जिसे तीन भूगोलीय भागों में विभाजित किया जा सकता है :–

1. पर्वत श्रेणियों का भाग,
2. मध्यवर्तीय पठारी भाग एवं
3. नदियों का निचला भाग।

पावन सलिला नर्मदा एवं सोन का उद्‌गम स्थल अमरकंटक इसी जिले में है, जो कि न केवल पवित्र नगर हैं, बल्कि अमूल्य जड़ी बूटियो के स्रोत्र के रूप में भी जाना जाता हैं। जुहिला, केबई एवं तिपान प्रमुख नदियां एवं इसके अतिरिक्त कई सहायक नदियां जैसें बाकन और चंदास जिले को हरा–भरा बनाये हुये है। सोन तथा जोहिला नदियां भी मैकाल पहाड़ी से उद्‌गम होती हैं। जिले मे मैकाल पर्वत की श्रेणियां दक्षिण से पूर्व तक फैली हुई है।

अनूपपुर जिला दो नदी बेसिनों के तहत पड़ता है– नर्मदा तथा गंगा। दक्षिण पश्चिम सीमा के छोटे और संकीर्ण बेल्ट में पुष्पराजगढ़ तहसील स्थित हैं। पूरा अनूपपुर जिला गंगा नदी प्रणाली का हिस्सा हैं। सोन नदी, गंगा नदी की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी हैं, जिसमें जिलें के बड़े हिस्से की नदियाँ मिलती हैं। नर्मदा एवं सोन नदियां मैकाल रेंज के अमरकंटक क्षेत्र से निकलती हैं। नर्मदा नदी जिलें के पश्चिम दिशा में बहती है तथा सोन नदी दक्षिण–पूर्व से उत्तर–पश्चिम की ओर बहती है। सोन नदी की सहायक

नदियां जोहिला, गुजर, केवई और तिपान है। नर्मदा नदी की महत्वपूर्ण सहायक नदी समरार नदी है।

1.4 प्रशासनिक संरचना

यह जिला चार तहसीलों और चार विकासखण्डों में बँटा है। यहां 578 ग्राम और 6 शहर है। अनूपपुर जिले का क्षेत्रफल 3,669 वर्ग कि.मी. है। जिले का सबसे बड़ा विकास खंड पुष्पराजगढ़ एवं सबसे छोटा कोतमा है। जिले में आबाद गांवों की संख्या 564 है। जिले में कुल 282 ग्राम पंचायतें एवं 2 नगर पंचायत एवं 4 नगरपालिकाएं है।

तालिका 1.4.1 ग्राम एवं नगर पंचायतों का विकासखंडवार विवरण

स. क्र.	विकास खण्ड	भौगोलिक क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	ग्रामों की संख्या	आबाद ग्राम	ग्राम पंचायतें	नगरों की संख्या	नगर पंचायतें	नगर पालिका
1	पुष्पराजगढ़	1764	271	265	119	1	1	0
2	अनूपपुर	557	139	95	52	2	0	2
3	जैतहरी	893	99	139	80	1	1	0
4	कोतमा	363	69	65	31	2	0	2
	कुल	**3577**	**578**	**564**	**282**	**6**	**2**	**4**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

स्थापना वर्ष 2003 से आज तक जिला कार्यालय एवं विभागीय कार्यालयों के लिये भवन एवं सिविल लाईन का निर्माण नहीं हो पाया है। माह अगस्त, 2009 में अनूपपुर जिले के संयुक्त जिला कार्यालय एवं सिविल लाईन के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ है। वर्तमान में कुछ जिला कार्यालय पुराने भवनों में एवं अधिकांश कार्यालय किराये के भवनों में संचालित है।

तालिका 1.4.2 प्रशासनिक संरचना

अनुविभाग	तहसीलें	विकासखंड	नगर पालिकाये	नगर पंचायते
अनूपपुर	अनूपपुर	अनूपपुर	पसान, अनूपपुर	....
जैतहरी	जैतहरी	जैतहरी	......	जैतहरी
कोतमा	कोतमा	कोतमा	कोतमा, बिजुरी	......
पुष्पराजगढ़	पुष्पराजगढ़	पुष्पराजगढ़	....	अमरकंटक

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले में चार तहसीलें यथा– अनूपपुर, जैतहरी, पुष्पराजगढ़ एवं कोतमा है। इन चारों तहसील के मुख्यालय पर जनपद पंचायतों के मुख्यालय एवं सभी महत्वपूर्ण विभाग के अनुविभाग अथवा तहसील स्तरीय कार्यालय है। अनूपपुर जिलें में मध्यप्रदेश शासन के शासकीय सेवकों की संख्या 7,689 है।

1.5 जलवायु

जिले की जलवायु समशीतोष्ण है। जिले में मैदानों के ऊपर की ऊंचाई अधिक होने से और विस्तृत जंगल होने के कारण गर्मी मध्यम है। वर्ष में अधिक से अधिक हिस्से में तापमान सुखद रहता हैं। ठंड के मौसम के दौरान रात का तापमान हिमांग से नीचे गिरता हैं। गर्म हवा अप्रैल के अंत से पहले ही महसूस की जा सकती हैं। गर्मी के मौसम में रातें अपेक्षाकृत शांत और सुखद रहती हैं। ठंड के कारण कई दिनों तक आकाश में घने बादल छाये रहते हैं। जून का महीना सबसे गर्म तथा जनवरी का तापमान सबसे ठडां रहता है। जिले का अधिकतम तापमान 46 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री तक पहुंच जाता है।

1.5.1 विकास खण्डवार जिले की वर्षा की जानकारी

वर्ष 2010–11 में जिले के कोतमा विकासखंड मे सर्वाधिक 1,130 मि.मी वर्षा एवं जैतहरी विकासखंड मे सबसे कम 634 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई।

तालिका 1.5.1 विकासखंडवार जिले में वर्षा की जानकारी (मि.मी. में)

क्र.	तहसील	सामान्य औसत वर्षा	वर्ष 2007–08	वर्ष 2008–09	वर्ष 2009–10	वर्ष 2010–11
1	अनूपपुर	1284.1	670	1342	814	805.9
2	कोतमा	1278.6	654	877	901	1130.0
3	जैतहरी	1235.4	914	1076	592	634.0
4	पुष्पराजगढ	1427.6	909	1153	920	1074.3

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.5.2 जिले की औसत वार्षिक वर्षा

यहां वर्षा माह जून से अक्टूबर तक होती है। मानसून के दौरान जलवायु बहुत नम रहती हैं। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1400 मि.मी. है। विगत कुछ वर्षो की औसत वार्षिक वर्षा निम्नानुसार रही है।

तालिका 1.5.2 जिले की औसत वार्षिक वर्षा	
वर्ष	औसत वार्षिक वर्षा
2004–05	1174.00 मि.मी.
2005–06	1219.00 मि.मी.
2006–07	1040.80 मि.मी.
2007–08	1014.40 मि.मी.
2008–09	1906.18 मि.मी.
2009–10	1231.30 मि.मी.
	(स्त्रोत– भू–अभिलेख 2009)

1.6 मानव संसाधन – जनसंख्या

1.6.1 जिले की शहरी/ग्रामीण जनसंख्या

जिला अनूपपुर की जनगणना 2001 के अनुसार जनसंख्या 6,67,155 है, जिसमें शहरी जनसंख्या 1,95,352 एवं ग्रामीण जनसंख्या 4,71,803 है। जिले की जनसंख्या राज्य का 1.09 प्रतिशत है।

तालिका 1.6.1 जिले की जनसंख्या (जनगणना वर्ष 2001)	
विवरण	संख्या
जिले की कुल जनसंख्या	667155
शहरी जनसंख्या	195352
ग्रामीण जनसंख्या	471803
	(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.6.2 विकासखंडवार नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या

तालिका 1.6.2 में अनूपपुर जिले की विकासखंडवार नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या दर्शाई गई है। पुष्पराज विकासखंड में सबसे अधिक ग्रामीण जनसंख्या है, जबकि अनूपपुर विकासखंड में सबसे अधिक नगरीय जनसंख्या है।

तालिका 1.6.2 विकासखंडवार नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या (वर्ष 2001)						
विकासखण्ड	नगरीय जनसंख्या			ग्रामीण जनसंख्या		
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल
पुष्पराजगढ़	3830	3252	7082	94087	93405	187492
अनूपपुर	65836	58944	124780	43288	44060	87348
जैतहरी	4049	3751	7800	75206	72338	147544
कोतमा	29176	26514	55690	24732	24687	49419
कुल	**102891**	**92461**	**195352**	**237313**	**234490**	**471803**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.6.3 विकासखंडवार ग्रामों का वर्गीकरण

जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड में सबसे अधिक वीरान ग्राम (6), 200 से कम जनसंख्या वाले ग्राम (19) एवं 200 से 499 के मध्य जनसंख्या वाले ग्राम (81) तथा 1000 से 1999 के मध्य जनसंख्या वाले ग्राम (52) हैं। जिले के 2000–4999 के मध्य जनसंख्या वाले 28 ग्रामों में से सबसे अधिक 12 ग्राम जैतहरी विकासखण्ड में हैं। जैतहरी विकासखण्ड में 3 ग्राम 5000–9999 जनसंख्या वाले हैं।

तालिका 1.6.3 विकासखंडवार ग्रामों का वर्गीकरण (वर्ष 2001)										
क्र.	विकास खण्ड	वीरान ग्राम	200 से कम	200–499	500–999	1000–1999	2000–4999	5000–9999	10000 से अधिक	कुल ग्राम
1	पुष्पराजगढ़	6	19	81	109	52	4	0	0	271
2	अनूपपुर	4	6	17	29	31	10	0	2	99
3	जैतहरी	0	6	26	45	46	12	3	1	139
4	कोतमा	0	6	19	30	12	2	0	0	69
	कुल	**10**	**37**	**143**	**213**	**141**	**28**	**3**	**3**	**578**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.6.4 विकासखण्डवार जनसांख्यिकीय विवरण

अनूपपुर जिले में प्रत्येक 1000 पुरूष पर स्त्रियों की संख्या 961 है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार अनूपपुर जिले का जनसंख्या घनत्व 182 है।

तालिका 1.6.4 विकासखण्डवार जनसांख्यिकीय विवरण (वर्ष 2001)							
क्र.	विकास खण्ड	कुल ग्रामीण जनसंख्या		पुरूष /स्त्री अनुपात	जनसंख्या घनत्व (2001)	जनसंख्या वृद्धि दर (1991–2001)	
		1991	2001	2001	प्रतिवर्ग कि.मी.	पुरूष	स्त्री
1	पुष्पराजगढ़	168039	187492	993	106	10.59	12.05
2	अनूपपुर	87860	87348	1018	150	–4.70	2.33
3	जैतहरी	128468	147544	962	165	13.64	14.29
4	कोतमा	41288	49419	998	136	19.05	20,00
	कुल	425655	471803	961	182		

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.6.5 विकासखंडवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या

अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत में सबसे अधिक 1,46,306 व्यक्ति अनुसूचित जनजाति और जैतहरी जनपद पंचायत में सबसे अधिक 9,312 व्यक्ति अनुसूचित जाति वर्ग के निवास करते हैं। पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत में अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रतिशत 78.03 हैं।

तालिका 1.6.5 विकासखंडवार अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या (वर्ष 2001)					
क्र.	जनपद पंचायत	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	कुल जनसंख्या में अनु. जाति का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में अनु. जनजाति का प्रतिशत
1	पुष्पराजगढ़	5156	146306	2.75	78.03
2	अनूपपुर	9034	33162	10.34	37.96
3	जैतहरी	9312	74392	6.31	50.42
4	कोतमा	5669	19747	11.47	39.96
	कुल	**29171**	**273607**		

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.6.6 जनसंख्या, लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात

जनगणना 1991 में जिलें का लिंगानुपात 946 था, जो जनगणना 2001 में बढ़कर 961 हो गया है। जनगणना 2011 में जिले का लिंगानुपात बढ़कर 975 हो गया है।

तालिका 1.6.6 जनसंख्या, लिंग तथा शिशु लिंग अनुपात का विवरण						
विवरण	2001			2011		
	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर
कुल जनसंख्या	48566242		667155	72597565	3162307	749521
लिंग अनुपात	919	962	961	930	974	975
शिशु लिंग अनुपात	932	973	969	912	951	946

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

1.6.7 जिलों की जनसंख्या वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े

जनगणना 2011 अनुसार अनूपपुर जिले की वृद्धि दर 12.3 प्रतिशत है जो कि मध्यप्रदेश में न्यूनतम स्तर पर है। मध्यप्रदेश में अधिकतम वृद्धि दर इन्दौर जिले की है जो की 32.7 प्रतिशत है।

तालिका 1.6.7 जिलों की जनसंख्या वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े				
क्र	शीर्ष पाँच जिले		न्यूनतम पाँच जिले	
	जिले	वृद्धि दर	जिले	वृद्धि दर
1	इंदौर	32.7	**अनूपपुर**	**12.3**
2	झाबुआ	30.6	बैतुल	12.9
3	भोपाल	28.5	छिंदवाड़ा	13.0
4	सिंगरौली	28.0	मंदसौर	13.2
5	बडवानी	27.6	बालाघाट	13.6

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

1.6.8 देश, प्रदेश एवं जिले की वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े

वर्ष 2011 की जनगणना के प्रावधिक आंकड़ो के अनुसार अनूपपुर जिले की जनसंख्या वृद्धि दर प्रदेश में सबसे कम रही है।

तालिका 1.6.8 देश, प्रदेश एवं जिले की वृद्धि दर के तुलनात्मक आंकड़े							
जनगणना वर्ष 2001				जनगणना वर्ष 2011			
भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर
21.54	24.3	18.5	20.0	17.64	20.3	18.3	12.3

(Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

1.7 शिक्षा एवं साक्षरता

1.7.1 विकासखंडवार साक्षरता दर

वर्ष 2001 की जनगणना अनुसार जिले की साक्षरता दर 60.22 प्रतिशत है, जिसमे पुरूष 73.76 प्रतिशत एवं महिलाये 46.09 प्रतिशत साक्षर है। तालिका 1.7.1 में अनूपपुर जिले एवं विकासखंडवार ग्रामीण साक्षरता का प्रतिशत दर्शाया गया हैं। वर्ष 2001 में जिले की ग्रामीण साक्षरता का प्रतिशत 53.87 था।

तालिका 1.7.1 विकासखंडवार ग्रामीण साक्षरता दर (वर्ष 2001)			
जनपद पंचायत	ग्रामीण साक्षरता दर		
	पुरूष	स्त्री	कुल
पुष्पराजगढ़	67.23	39.36	53.36
अनूपपुर	64.13	35.32	49.54
जैतहरी	72.87	41.37	57.45
कोतमा	69.38	36.61	53.06
कुल	**68.50**	**38.99**	**53.87**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला साक्षरता संबंधित तुलनात्मक आंकड़े

जनगणना 2001 की तुलना में जनगणना 2011 में साक्षरता की दर अनूपपुर जिले में 60.2 प्रतिशत से बढ़कर 69.1 प्रतिशत हो गई जो कि शहडोल संभाग की तुलना में अधिक है। मध्यप्रदेश राज्य से तुलना करने पर भी अनूपपुर जिला बहुत ही कम प्रतिशत से साक्षरता के क्षेत्र में पिछड़ा है। अनूपपुर जिले में पुरूष तथा महिला साक्षरता में भी

जनगणना 2011 में वृद्धि दर्ज की गई है। जिला स्तर पर पुरूषों एवं महिलाओं की साक्षरता बढ़कर क्रमशः 80.1 एवं 57.9 प्रतिशत हो गई हैं।

तालिका 1.7.2 देश, प्रदेश एवं जिला साक्षरता संबंधित तुलनात्मक आंकड़े

विवरण	2001				2011			
	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर	भारत	म.प्र.	शहडोल संभाग	अनूपपुर
साक्षरता	64.84	63.7	57.8	60.2	74.04	70.6	67.7	69.1
साक्षरता (पुरूष)	75.26	76.1	71.6	73.8	82.14	80.5	78.5	80.1
साक्षरता (महिला)	53.67	50.3	43.4	46.1	65.46	60.0	56.6	57.9

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009 एवं Provisional Population Total- Madhya Pradesh 2011)

1.7.3 विकासखंडवार शालाओं की स्थिति

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत एक किलोमीटर की परिधि में हर बच्चे के लिए प्राथमिक स्कूलों 03 किलोमीटर की परिधि में माध्यमिक स्कूल, 05 किलोमीटर की परिधि में हाई स्कूल एवं 08 किलोमीटर की परिधि में उच्चतर माध्यमिक स्कूल की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने का प्रावधान है। जिला अनूपपुर में 1183 प्राथमिक पाठशालाये, 344 माध्यमिक शालायें, 47 हाई स्कूल एवं 43 हायर सेकेण्डरी स्कूल है। गैर शासकीय विद्यालयों की संख्या 261 है।

तालिका 1.7.3 विकासखंडवार शैक्षणिक संस्थायों की संख्या

क्र.	विद्यालयों की संख्या	अनूपपुर	कोतमा	जैतहरी	पुष्पराजगढ़	योग
1	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	08	06	20	09	**43**
2	हाई स्कूल	11	04	13	19	**47**
3	माध्यमिक विद्यालय	66	39	105	134	**344**
4	प्राथमिक पाठशाला	198	140	295	550	**1183**
5	गैर शासकीय विद्यालय	102	58	81	20	**261**
6	तकनीकी शिक्षण संस्थाएं	01	01	01	01	**04**

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

शिक्षकों की संख्या प्राथमिक शाला में 1875 तथा माध्यमिक शाला में 814 है। हाई स्कूल में शिक्षकों की संख्या 282 है।

1.7.4 विकासखंडवार छात्रों की संख्या

जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड में शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में कुल छात्रों की संख्या सबसे अधिक है। जिले के कोतमा विकासखंड में माध्यमिक विद्यालयों में कुल छात्रों की संख्या सबसे कम है। इसी प्रकार अशासकीय प्राथमिक विद्यालयों में पुष्पराजगढ़ सबसे कम छात्रों की संख्या है एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालय में सबसे अधिक छात्र संख्या जैतहरी विकासखंड में है।

तालिका 1.7.4 विकासखंडवार छात्रों की संख्या

क्र.	विकासखण्ड	प्राथमिक विद्यालय			माध्यमिक विद्यालय		
		शासकीय			शासकीय		
		छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
1	पुष्पराजगढ़	14446	14573	29019	6023	6763	12786
2	जैतहरी	11909	12482	24391	5184	6070	11254
3	कोतमा	4068	4573	8641	2039	3460	5499
4	अनूपपुर	7718	8347	16065	3327	3995	7322
	कुल योग	**38141**	**39975**	**78116**	**16573**	**20288**	**36861**
		अशासकीय			**अशासकीय**		
1	पुष्पराजगढ़	625	388	1013	309	202	511
2	जैतहरी	3807	2706	6513	2068	1415	3483
3	कोतमा	3213	2378	5591	1766	1308	3074
4	अनूपपुर	2672	2274	4946	1350	1205	2555
	कुल योग	**10317**	**7746**	**18063**	**5493**	**4130**	**9623**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.7.5 विकासखंडवार छात्रावासों का विवरण

जिले में छात्रावासों की संख्या 78 है, जिसमें से आदिवासी छात्रावासों की संख्या 46, पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों की संख्या 3 तथा आदिवासी आश्रम की संख्या 26 है।

तालिका 1.7.5 विकासखंडवार छात्रावासों का विवरण						
क्र.	छात्रावासों की संख्या	अनूपपुर	कोतमा	जैतहरी	पुष्पराजगढ़	योग
1	हरिजन छात्रावास (बालक)	01	01	01	00	**03**
2	आदिवासी छात्रावास (बालक)	10	06	12	18	**46**
3	पोस्ट मैट्रिक	02	00	00	01	**03**
4	आदिवासी आश्रम	03	02	07	14	**26**
(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)						

1.7.6 उच्च शिक्षा

अनूपपुर जिले मे शासकीय क्षेत्र मे तीन महाविद्यालय क्रमशः अनूपपुर, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ विकासखंड मे स्थित है। वही जैतहरी विकासखंड मे एक भी शासकीय महाविद्यालय नही है। निजी क्षेत्र के पॉचों महाविद्यालय अनूपपुर विकासखंड मे है। वही अन्य तीन विकासखंडो मे निजी क्षेत्र में महाविद्यालयों की स्थापना नही है। जिले के महाविद्यालयों मे छात्र संख्या भी कम है। जिले मे निजी क्षेत्र मे कई उद्योग स्थापित है एवं निकट भविष्य मे स्थापित होने की संभावना को देखते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओ की आवश्यकता प्रतीत होती है।

तालिका 1.7.6 विकासखंडवार महाविद्यालय एवं अध्ययनरत छात्रों की संख्या						
विकासखण्ड	महाविद्यालयो की संख्या			अध्ययनरत छात्र संख्या		
	शासकीय	अशासकीय	योग	शासकीय	अशासकीय	योग
अनूपपुर	**1**	**5**	**6**	1390	211	**1601**
कोतमा	**1**	**0**	**1**	1137	0	**1137**
पुष्पराजगढ़	**1**	**0**	**1**	597	0	**597**
जैतहरी	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)						

व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्र मे भी संस्थानों को आगे आने की आवश्यकता है, ताकि बेरोजगारी को कम किया जा सके एवं स्वरोजगार के अवसर पैदा की जा सके। जनजातीय समुदाय को शिक्षा उपलब्ध कराये जाने हेतु इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की वर्ष 2007 में अमरकंटक में स्थापना की गई है।

1.8 स्वास्थ्य

1.8.1 स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति

चिकित्सा सुविधा की दृष्टि से जिले में 5 एलोपैथिक चिकित्सालय, 17 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 175 उपस्वास्थ्य केन्द्र, 10 आयुर्वेद, होम्योपैथिक औषधालय स्थापित है।

तालिका 1.8.1 स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति

क्र.	जनपद पंचायत	एलोपैथिक चिकित्सालय	आयुर्वेद, होम्योपैथिक औषधालय	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	उपस्वास्थ्य केन्द्र
1	पुष्पराजगढ़	1	3	6	2	59
2	अनूपपुर	2	2	1	2	45
3	जैतहरी	1	4	3	2	36
4	कोतमा	1	1	7	1	35
	कुल	**5**	**10**	**17**	**7**	**175**

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009, लोक स्वास्थ्य विभाग की वेबसाईट)

जिले में सार्वजनिक क्षेत्र में 02 अस्पताल क्षेत्रीय कोलियरी अस्पताल, कोतमा एवं ताप विद्युत परियोजना अस्पताल, चचई (अमरकंटक) में खोले गये हैं। अनूपपुर जनपद पंचायत मे एक ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है, वही कोतमा जनपद पंचायत मे एक ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है।

1.8.2 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी

अनूपपुर जिले की मातृ मुत्यु एवं शिशु मृत्यु संख्या शहडोल जिले से अधिक है। जिले मे इन मृत्यु संख्या को कम किये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये संस्थागत प्रसव पर जोर दिया जाना महत्वपूर्ण है। जननी सुरक्षा योजना एवं बाल कुपोषण के क्षेत्र मे पोषण आहार योजना का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाने की आवश्यकता है।

तालिका 1.8.2 जिला एवं प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी तुलनात्मक सांख्यिकी 2001

जिला/ प्रदेश	ए.एन.सी. की संख्या	कुल प्रसव	मातृ मृत्यु संख्या	शिशु मृत्यु संख्या
शहडोल	**30544**	**26744**	**27**	**223**
अनूपपुर	**21993**	**18432**	**67**	**304**
मध्यप्रदेश	**1993257**	**1639849**	**799**	**24751**

(स्रोत्र – लोक स्वास्थ्य विभाग की वेबसाईट)

वर्ष 2008–09 में 62 उपस्वास्थ्य केन्द्र ही भवन युक्त थे। वर्ष 2009–10 में 92 उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन युक्त हुये। वर्ष 2008–09 में उप स्वास्थ्य केन्द्रो पर प्रसव की संख्या शून्य थी। वर्ष 2009–10 में उपस्वास्थ्य केन्द्र पर होने वाले प्रसव की संख्या 3126 रही है।

1.9 कृषि

वर्ष 2008–09 में जिले में किसान कार्ड धारकों की संख्या 19236 थी। वर्ष 2009–10 के अंत में यह संख्या बढ़कर 58872 हो गयी है। धान, कोदो–कुटकी एवं मक्का जिले की मुख्य फसलें हैं। अब गेहूँ की भी फसल बोई जाने लगी है। दलहन में उड़द अरहर, मसूर एवं चना प्रमुख है। तिलहन में तिल, राई रामतिला एवं मुंगफली है। विकास की गति के साथ–साथ अब सूर्यमुखी एवं सोयाबीन की खेती की जाने लगी है। जिले मे धान की खेती गेहूँ की अपेक्षा अधिक की जाती है।

1.9.1 विकासखंडवार रबी एवं खरीफ फसलों कें अंतर्गत क्षेत्रफल

तालिका 1.9.1.1 विकासखंडवार खरीफ फसलों का क्षेत्र (हेक्टेयर में)

क्र.	तहसील	धान	ज्वार	मक्का	कोदो कुटकी	अरहर	उड़द	सोया बीन	मूंग फली	तिल	राम तिल	अन्य फसलें	योग
1	अनूपपुर	22453	18	853	497	295	530	1	34	221	45	593	24990
2	कोतमा	14724	1	477	413	97	373	..	7	166	63	61	16382
3	जैतहरी	28699	101	2253	2506	1161	866	51	440	439	348	621	37485
4	पुष्पराजगढ़	34323	251	8364	13974	2490	761	2019	58	180	9446	121	71987
	कुल	**100199**	**371**	**11947**	**17390**	**4023**	**2530**	**2071**	**539**	**1006**	**9902**	**1154**	**150844**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

जिले मे खरीफ के मौसम मे मुख्यः एक फसल ही होती है जो कि धान है। जिले मे 1,00,199 हेक्टेयर क्षेत्र मे धान की उपज हुई। अन्य फसलो मे मक्का, कोदो कुटकी एवं रामतिल प्रमुख है। एक फसल आधारित होने के कारण कृषि को लाभ का धन्धा बनाने मे कठिनाई है। अतः दूसरी फसलो को भी खरीफ के मौसम मे लगाये जाने हेतु प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। नई कृषि तकनीको का प्रयोग एवं जैव कृषि आधारित प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना आवश्यक है। रबी की मुख्य फसल गेहूँ है। अन्य फसल चना, तुवर, अलसी एवं राई है।

तालिका 1.9.1.2 विकासखंडवार रबी फसलों का क्षेत्र (हेक्टेयर में)											
क्र.	तहसील	गेहूँ	चना	मसूर	तिवड़ा	जौ	मटर	अलसी	राई / सरसों	अन्य साग सब्जी	योग
1	अनूपपुर	544	214	54	31	02	43	293	209	95	1485
2	कोतमा	304	71	18	02	..	16	61	49	63	584
3	जैतहरी	3114	676	459	127	02	132	975	834	723	7042
4	पुष्पराजगढ़	8476	2595	8864	17	55	1353	2731	7666	144	31901
	कुल	**12438**	**3556**	**9395**	**177**	**59**	**1544**	**4060**	**8758**	**1025**	**44012**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.9.2 विकासखंडवार भूमि उपयोग

जिले की 471803 जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। उनकी आजीविका का मुख्य साधन कृषि है। जिले में कृषि के अंतर्गत शुद्ध बोया गया क्षेत्र 162315 हैक्टेयर तथा द्विफसली क्षेत्र 34102 हैक्टेयर था।

तालिका 1.9.3 विकासखंडवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)						
क्र.	जनपद पंचायत	कुल क्षेत्रफल	वन भूमि	पडत भूमि	शुद्ध बुवाई क्षेत्र	द्विफसलीय
1	पुष्पराजगढ़	176372	23848	28813	77940	26105
2	अनूपपुर	60211	15291	7556	26105	1586
3	जैतहरी	97247	25835	11941	41465	5822
4	कोतमा	40841	11479	5659	16805	589
	कुल	**374671**	**76453**	**53969**	**162315**	**34102**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

चित्रण 1.9.3 भूमि उपयोग

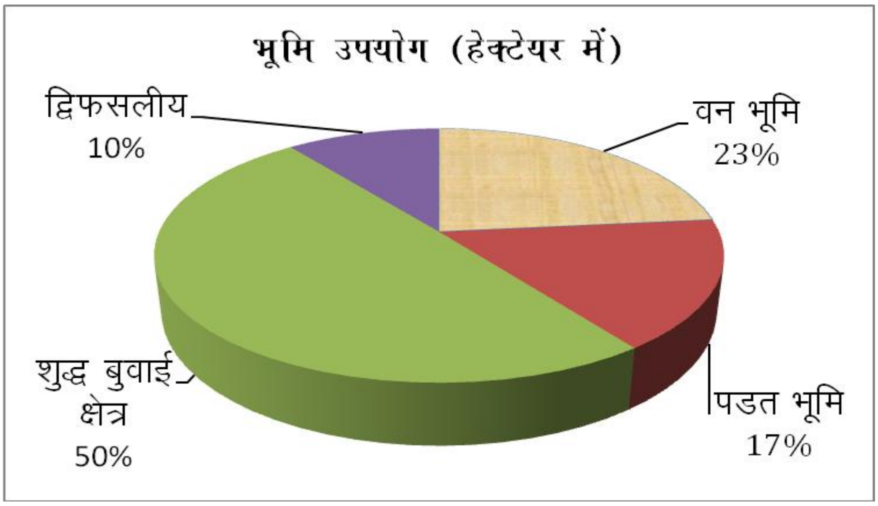

1.10 पशुधन

1.10.1 विकासखंडवार पशुधन का विवरण

जिले मे पशुधन की स्थिति अच्छी है। जिले मे कुल 322729 पशु एवं 103492 कुक्कुट है। जिले में पुष्पराजगढ़ विकासखंड में सर्वाधिक पशुधन है।

तालिका 1.10.1 विकासखंडवार पशुधन का विवरण

विकासखण्ड	गाय + बैल	भैंस + भैंसा	भेड़ + भेड़ी	बकरा + बकरी	घोड़े + टट्टू	सूकर	पशु योग	मुर्गा + मुर्गी
अनूपपुर	45231	15924	10	6132	22	1550	68869	19272
जैतहरी	37715	10329	342	9580	26	642	58634	19808
कोतमा	25521	10641	0	3693	05	619	40479	11887
पुष्पराजगढ़	108781	20353	97	21857	1934	1725	154747	52525
योग	**217248**	**57247**	**449**	**41262**	**1987**	**4536**	**322729**	**103492**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.10.2 पशुधन के लिए विकासखण्डवार चिकित्सा सुविधायें

जिले में 9 पशु चिकित्सालय, 26 पशु औषधालय स्थापित हैं जिनके द्वारा वर्ष 2008–09 में उपचारित पशुओं की संख्या 52536 एवं कृत्रिम गर्भधारण 31516 पशुओं को कराया गया है। जिले मे 2 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र एवं 29 उप केन्द्र है। जिले मे पुष्पराजगढ़ विकासखंड मे पशुपालन विभाग द्वारा एक चल चिकित्सालय का संचालन भी किया जा रहा है। कोतमा विकासखंड मे सबसे कम अर्थात् 5 पशु चिकित्सालय एवं औषधालय है।

तालिका 1.10.2.1 पशुधन के लिए विकासखण्डवार चिकित्सा सुविधायें

विकासखण्ड	पशु चिकित्सालय	पशु औषधालय	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान उप केन्द्र	चल चिकित्सालय	योग
अनूपपुर	1	8	1	6	0	16
जैतहरी	2	8	0	12	0	22
कोतमा	2	2	0	1	0	5
पुष्पराजगढ़	4	8	1	10	1	24
योग	9	26	2	29	1	67

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

तालिका 1.10.2.2 विकासखंडवार पशु सेवाऐं				
विकासखण्ड	**उपचारित पशु**	**बधिया पशु**	**टीकाकृत पशु**	**कृत्रिम गर्भधारण**
अनूपपुर	10612	785	7210	5416
जैतहरी	17314	2601	24995	14610
कोतमा	11495	622	8819	9510
पुष्पराजगढ़	13115	1485	19190	1980
योग	52536	5493	60214	31516

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009

उपरोक्त तालिकाओं से स्पष्ट है कि कोतमा में केवल 5 पशु उपचार केन्द्र होने के वाबजूद उपचारित पशुओं की संख्या 11495 है, जबकि जैतहरी विकासखंड में 22 पशु उपचार केन्द्र होने के बावजूद उपचारित पशुओं की संख्या 17314 है। जैतहरी विकासखंड में 22 विभिन्न पशु चिकित्सालय एवं पशु उपचार केन्द्र स्थापित है। कृत्रिम गर्भधारण के क्षेत्र में पुष्पराजगढ़ विकासखंड में केवल 1980 पशुओं का कुत्रिम गर्भधारण किया गया है। जबकि यहॉ पशुधन की संख्या जिले में सर्वाधिक है। पुष्पराजगढ़ विकासखंड में 24 विभिन्न पशु चिकित्सालय एवं पशु उपचार केन्द्र स्थापित है।

1.11 सिंचाई

जिले में सिंचाई हेतु छोटी–छोटी जल संरचनाएँ निर्मित है। इस प्रकार कुल कृषि योग्य भूमि के परिप्रेक्ष्य में सिंचित क्षेत्र 2 प्रतिशत से भी कम है। जिले में वन क्षेत्र की बाहुल्यता होने के कारण (वन क्षेत्र 76,448 हेक्टेयर अर्थात जिले के कुल क्षेत्रफल का 20. 40 प्रतिशत हैं) वृहद एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं के निर्माण के अवसर प्रायः शून्यवत है। इन्हीं कारणों से जिले में कृषि की स्थिति अत्यंत पिछड़ी हुई है। जिले में सतह पानी द्वारा सिंचाई का कार्य विकास के चरण में है। जिले में भू–जल सिंचाई का मुख्य स्रोत है। कुल 3,829 हैक्टेयर सिंचित भूमि में से 1,743 हेक्टेयर भूमि जल स्रोतों से सिंचित है, जो जिले में कुल सिंचाई का 45.42 प्रतिशत है। जिले में 2092 कुए एवं 746 नलकूप सिंचाई के लिए प्रयोग में लाये जाते है।

भौगोलिक दृष्टि से इस जिले का पर्वतीय होने के कारण सिंचाई सुविधाओं का बहुत ही कम विस्तार किया जा सका है। जिले में सिंचाई के साधन नहरें, कुऐं, तालाब एवं छोटी सिंचाई सुविधाऐं के रूप में है।

1.11.1 विकासखंडवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण

तालिका 1.11.1 विकासखंडवार सिंचाई सुविधाओं का वर्गीकरण (हेक्टेयर मे)

विकासखंड	कुंआ		नलकूप		तालाब		बांध/नहर		नदी	नाला	पोखर	अन्य	योग
	संख्या	रकवा	संख्या	रकवा	संख्या	रकवा	संख्या	रकवा	रकवा	रकवा	रकवा	संख्या	रकवा
अनूपपुर	210	98	69	76	26	65	05	50	84	143	05	..	521
कोतमा	23	84	135	..	25	49	24	51	65	75	..	..	324
जैतहरी	1541	1226	207	..	38	37	12	142	..	..	..	1160	2565
पुष्पराजगढ़	318	40	335	..	24	09	41	571	50	67	..	..	737
योग	**2092**	**1448**	**746**	**76**	**113**	**160**	**82**	**814**	**199**	**285**	**05**	**1160**	**4147**

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

बी.आर.जी.एफ. योजना के माध्यम से नालों में छोटे–छोटे बांध एवं सार्वजनिक कुओं व तालाबों में पम्प की स्थापना/गहरीकरण आदि जैसी योजनायें प्राथमिकता के आधार पर बनाई जा सकती है।

जिले मे सिंचाई सुविधाओं के अंतर्गत कुल कुँओं की संख्या 2092 है, जिससे 1448 रकबे की सिंचाई की जाती है।

1.11.2 विकासखंडवार 6 वर्षों में जल स्तर की स्थिति

तालिका 1.11.2 विकासखंडवार 6 वर्षों में जल स्तर की स्थिति (मीटर में)

क्र.	विकासखण्ड	8 सितम्बर 2005	8 सितम्बर 2006	8 सितम्बर 2007	8 सितम्बर 2008	8 सितम्बर 2009	08 सितम्बर 2010
1	अनूपपुर	15.14	17.01	24.03	30.64	32.94	28.60
2	कोतमा	17.65	18.94	22.98	30.10	33.10	29.45
3	जैतहरी	14.30	13.06	15.80	29.65	33.16	28.35
4	पुष्पराजगढ़	14.97	19.01	20.63	21.70	32.62	30.00
	जिला अनूपपुर	15.52	17.01	20.86	28.02	32.96	29.10

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि विगत वर्षो में जल स्तर में कमी आयी है।

1.12 सड़क एवं रेल मार्ग

अनूपपुर नवगठित जिला होने के कारण अधोसंरचना विकास के क्षेत्र जैसे सड़को एवं पुलो मे पिछड़ा है। जिलें में यातायात की दृष्टि से सड़क यातायात अधिक है। जिले में रेल्वे यातायात की सुविधा उपलब्ध है। अमलाई, बिजुरी, जैतहरी, व्यंकटनगर मुख्य रेल्वे स्टेशन है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 78 जिले से गुजरता है, जिसकी जिले में लंबाई 57.80 कि.मी. है।

1.12.1 विकासखण्डवार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत सड़को का विवरण

तालिका 1.12.1 विकासखंडवार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अन्तर्गत सड़कों का विवरण

क्र.	विकासखण्ड	निर्मित	लम्बाई (कि.मी.)	निर्माणाधीन	लम्बाई (कि.मी.)
1	अनूपपुर	23	97.225	11	43.550
2	जैतहरी	44	178.950	10	33.700
3	कोतमा	34	128.195	6	15.160
4	पुष्पराजगढ़	50	210.015	21	153.955
	योग	**151**	**614.385**	**48**	**246.365**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

पक्की सड़क से 72.87 प्रतिशत ग्राम नहीं जुडे है। जिले मे प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत 151 सड़को का निर्माण किया गया है, जिनकी कुल लम्बाई 614.385 कि.

मी. है। जिले मे इसी योजनांतर्गत 48 सड़के निर्माणधीन है, जिनकी कुल लम्बाई 246.365 कि.मी. है। सबसे अधिक सड़को का निर्माण पुष्पराजगढ़ विकासखंड मे हुआ है एवं अनूपपुर विकासखंड मे सबसे कम सड़के निर्मित है। गाँवों में सड़क अधोसंरचना निर्माण ग्राम पंचायतो के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर किया जा सकता है। गाँवों के अंदर सड़को का निर्माण बी.आर.जी.एफ. योजना के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर किया जा सकता है।

1.12.2 विकासखंडवार सड़कों का विवरण

तालिका 1.12.2 विकासखंडवार सड़कों का विवरण (लोक निर्माण विभाग)(कि.मी. में)

क्र.	विकासखण्ड	पक्की सड़क की लम्बाई			योग	कच्ची सड़कों की लम्बाई	कुल योग लम्बाई
		सी.सी.	बी.टी.	डब्ल्यू.बी.एम.			
1	अनूपपुर	0.00	98.80	11.78	110.58	1.50	112.08
2	जैतहरी	0.00	180.40	58.30	238.70	11.40	250.10
3	कोतमा	0.00	96.10	35.50	131.60	9.40	141.00
4	पुष्पराजगढ़	0.80	306.70	137.05	443.75	219.25	1166.18
	योग	**0.80**	**682.00**	**242.63**	**924.63**	**241.55**	**1669.36**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

(राज्य राजमार्ग=111.00 कि.मी., राष्ट्रीय राजमार्ग=57.80 कि.मी.)

अनूपपुर जिले मे पक्की सड़कों की कुल लम्बाई 924.63 कि.मी. है, जिसमें से 242.63 कि.मी. डब्ल्यू.बी.एम. तथा 682 कि.मी. बी.टी. सड़के है। इसी प्रकार कच्ची सड़को की लम्बाई जिले मे 241.55 कि.मी. है। पुष्पराजगढ़ विकासखंड मे सर्वाधिक पक्की एवं कच्ची सड़के है।

1.12.3 विकासखंडवार पुल–पुलियो का विवरण

तालिका 1.12.3 विकासखंडवार पुल–पुलियो का विवरण

क्र.	मद	इकाई	2006–07	2007–08	2008–09
1	बड़े पुल	संख्या	15	15	15
2	मध्यम पुल	संख्या	120	120	120
3	पुलिया	संख्या	1450	1465	1465

(स्रोत–जिला विकास पुस्तक–2009)

1.13 वन

वन क्षेत्र 76,448 हैक्टेयर है, जो जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल का 20.40 प्रतिशत है। जिले के मुख्य वृक्ष साल, आँवला, सागौन, सरई, बबूल, शीशम आदि हैं। जनजातीय लोगों द्वारा महुआ के फूल का उपयोग शराब बनाने के लिए किया जाता है। वनों से गोंद, महुआ, चिरौंजी, ऑवला तथा आयुर्वेदिक औषधियों से संबंधित वनोपज प्राप्त होते है। गैर इमारती लकड़ी जैसे वन उत्पाद कृषि के बाद ग्रामीण लोगों की आय का प्रमुख स्रोत है। औषधि पौधों की विविधता का प्रमुख स्रोत जंगल है। औषधि पौधों की खेती को बाजार लिंकेज के अभाव में वाणिज्यिक महत्वता नहीं मिल रहा है। इसी कारण से किसान भी औषधि पौधों की खेती में रूचि नहीं ले रहे है। भारत सरकार द्वारा मैकाल पर्वतीय क्षेत्र में स्थित अमरकंटक को वर्ष 2005 में जीव मंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserve Area) घोषित किया गया है।

आरक्षित वन	568.39
संरक्षित वन	323.63

तालिका 1.13.1 वन क्षेत्रफल एवं वन उत्पाद का विवरण

क्र.	मद	इकाई	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
1	इमारती लकड़ी का उत्पादन	घन मीटर	421	772	568	1036.757	217.325
2	जलाऊ लकड़ी	घन मी.	7187	4900	13817	1490	446
3	बांस	मेट्रिक टन	160	172	181	40.952	33.666
4	तेदूपत्ता	क्विंटल	17590	18420	20728	24314	27406

(स्रोत–जिला विकास पुस्तक–2009)

वर्ष 2009–10 में जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अंतर्गत लगभग 13.50 लाख वृक्ष रोपित किये गये हैं।

1.14 महिला एवं बाल विकास

अनूपपुर जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत 855 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को पूरक पोषण

आहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, स्कूल पूर्व अनौपचारिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा आदि प्रदान की जाती है।

तालिका 1.14.1 विकासखंडवार आंगनबाड़ी केन्द्रों, बच्चों एवं गर्भवती माताओं की संख्या

क्र.	जनपद पंचायत	कुल ग्रामों की संख्या	कुल आंगनबाड़ियों की संख्या	आंगनबाड़ी में दर्ज 0–6 वर्ष के बच्चों की संख्या	आंगनबाड़ी में दर्ज गर्भवती माताओं की संख्या
1	पुष्पराजगढ़	272	294	13963	3047
2	अनूपपुर	94	200	15867	3351
3	जैतहरी	146	239	15486	3481
4	कोतमा	69	122	6967	1202
	कुल	581	855	52283	11081

(स्रोत – परख वेबसाईट)

वर्ष 2008–09 में आदिवासी क्षेत्रों में पोषण आहार वितरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 95,403 हितग्राहियों को लाभ दिया गया है। इसी तरह से पोषण आहार वितरण के अन्तर्गत 0–6 आयु वर्ग के 52283 बच्चों को एवं 11081 महिलाओं को लाभान्वित किया गया है।

पोषण पुनर्वास केन्द्र में उपचार – वर्ष 2008–09 में 220 कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) में लाभांवित किया गया था। वर्ष 2009–10 में इस गतिविधि में लाभांवित बच्चों की संख्या 793 रही है।

लाडली लक्ष्मी योजना – वर्ष 2008–09 में इस योजना में 2196 हितग्राही लाभांवित हुये थे। वर्ष 2009–10 में अंतिम आंकड़ों के अनुसार 3811 हितग्राही लाभांवित हुये।

1.15 पेयजल

जिले में 6 शहरों अर्थात् अनूपपुर, कोतमा, जैतहारी, बिजुरी, पासान और अमरकंटक में शहरी जल आपूर्ति की जा रही है। अनूपपुर और अमरकंटक शहरों के पानी की आपूर्ति नलकूपों एवं कुओं पर आधारित हैं। कोतमा और जैतहरी शहरों में जल आपूर्ति केवई और टिपान नदियों से की जा रही हैं। बिजुरी और पासान शहरों में कोयला खदानों एवं

नलकूपों से पानी की आपूर्ति हो रही है। जिले में लगभग सभी गांवों में पेयजल की समस्या आंषिक या पूर्ण रूप से है।

1.15.1 हैण्डपंपों का विवरण

तालिका 1.15.1 हैण्डपंपो का विवरण

कुल स्थापित हैण्डपंप	चालू हैण्डपंप	कुल बंद	बन्द हैण्डपंप			कुल नलजल/ स्थल जल योजनाएं
			पानी की कमी से बंद	असुधार योग्य	साधारण खराबी से	
7076	6897	179	97	25	57	23

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

जिले में ग्रामीण जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत हैण्डपम्प है। जिले में कुल 7,076 हैण्डपम्प स्थापित है। 97 हैण्डपम्प पानी की कमी से बंद है एवं 57 हैण्डपम्प साधारण खराबी होने के कारण बंद है।

1.15.2 ग्रामीण एवं नगरीय जल प्रदाय योजनाओं का विवरण

तालिका 1.15.2 ग्रामीण एवं नगरीय जल प्रदाय योजनाओं का विवरण

क्र.	मद	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
	ग्रामीण जलप्रदाय योजना				
1	कुल ग्राम	578	578	578	578
2	कुल आबाद ग्राम	568	568	568	568
3	समस्या मूलक ग्रामों में निर्धारित मापदंडो के आधार पर पूर्ण पेयजल व्यवस्था	435	435	527	527
	बड़े ग्रामों की नल जल योजना				
1	1001 से 5000 की जनसंख्या वाले ग्राम	107	107	107	107
2	5001 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम	4	4	4	4
	नगरीय जल प्रदाय योजना				
1	कुल नगर	6	6	6	6
2	संगठित नल जल योजना	5	5	5	5
3	असंगठित नल जल योजना	1	1	1	1
	नगरीय स्वच्छता कार्यक्रम				
1	पूर्णतः अच्छादित नगर	6	6	6	6

(स्रोत्र–जिला विकास पुस्तक–2009)

45 समस्या मूलक ग्रामों में निर्धारित मापदंडो के आधार पर आंशिक पेयजल व्यवस्था बनाई गई है। 107 बड़े ग्रामों मे जिनकी जनसंख्या 1,001 से लेकर 5,000 है एवं इसी प्रकार 4 ग्रामों मे जिनकी जनसंख्या 5,001 से अधिक है को नल जल योजनातंर्गत लिया गया है। जिले मे नगरीय जल प्रदाय योजनातंर्गत कुल 6 नगरों मे से 5 नगरों को संगठित (आर्गनाइज्ड) नल जल योजना से तथा 1 नगर को असंगठित (नान–आर्गनाइज्ड) नल जल योजनातंर्गत लिया गया है।

निर्मल नीर योजना – ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निराकरण हेतु वर्ष 2008–09 में निर्मल नीर योजना के अंतर्गत 02 कूप स्वीकृत किये गये थे। वर्ष 2009–10 में योजना के अंतर्गत स्वीकृत कूपों की संख्या 187 है।

1.16 सहकारिता

जिले मे जनता को उचित मूल्य पर खाद्यान की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 297 उचित मूल्य की दुकानें सहकारी एवं खाद्य संस्थाओं के माध्यम से संचालित है, जहां से चावल, गेहॅू, शक्कर, केरोसीन आदि का वितरण कराया जाता है।

1.16.1 विकासखण्डवार शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का विवरण

तालिका 1.16.1.1 विकासखण्डवार शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का विवरण

विकासखण्ड	दुकान की संख्या
अनूपपुर	64
जैतहरी	91
कोतमा	46
पुष्पराजगढ़	96
कुल	**297**

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

तालिका 1.16.1.2 उचित मूल्य की दुकानों की स्थिति

मद	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
ग्रामीण	230	231	234	269	269
शहरी	22	26	26	28	28
कुल	**252**	**257**	**260**	**297**	**297**

(स्रोत्र–जिला विकास पुस्तक–2009)

वर्ष 2008–09 में जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 269 एवं शहरी क्षेत्र में 28 उचित मूल्य की दुकाने है। इन दुकानों को लोगों की पहुंच के अनुसार देखें तो ग्रामीण क्षेत्र में औसतन 3 गांव के बीच में एक दुकान है और शहरी क्षेत्र में औसतन 6,619 व्यक्तियों पर एक दुकान है। ग्रामीण क्षेत्र में व्यक्तियों पर दुकान की संख्या की बजाय गांव पर दुकान की संख्या देखने से ग्रामीण क्षेत्र में दुकान की पहुंच की वास्तविकता समझ में आती है।

1.16.2 सहकारी संस्थाओं की संख्या

तालिका 1.16.2 सहकारी संस्थाओं की संख्या

क्र.	मद	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
1	प्राथमिक कृषि साख समितियां	25	25	25	25	25
2	प्राथमिक कृषि साख समितियों की सदस्यता	5192	2162	––	3780	3812

(स्रोत–जिला विकास पुस्तक–2009)

1.17 संचार

1.17.1 विकासखण्डवार डाक एवं तार व्यवस्था

जिले में दूरसंचार का बुनियादी ढँाचा संतोषजनक है। बी.एस.एन.एल., एयरटेल और ऑइडिया जैसे संचार कम्पनियां, मोबाईल एवं लैंडलाईन कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रही है। लगभग सभी पंचायत मुख्यालय दूरभाष के माध्यम से जुड़े हुए हैं, लेकिन कुछ अत्याधिक पिछड़े क्षेत्रों में अभी भी दूरभाष की उपलब्धता नहीं है।

तालिका 1.17.1 विकासखंडवार डाक एवं तार व्यवस्था

क्र.	विकासखंड	प्राथमिक / उप डाकघर	शाखा कार्यालय	पी.सी.ओ.	टेलीफोन कनेक्शन
1	पुष्पराजगढ़	01	24	16	1424
2	अनूपपुर	02	26	52	3301
3	जैतहरी	02	08	14	1306
4	कोतमा	01	19	31	1955
	कुल	**06**	**77**	**113**	**7986**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

ग्रामों में दूरभाष की उपलब्धता तो है, लेकिन लाईनें अक्सर खराब रहती है। जिले में 83 डाकघर एवं उनकी शाखायें कार्यरत् हैं तथा 113 पी.सी.ओ. एवं 7,986 टेलीफोन कनेक्शन है।

1.17.2 विकासखण्ड स्तरीय वीडियो कॉंफ्रेंसिंग सुविधा

जिले की प्राथमिकताओं के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये जिला प्रशासन के शीर्ष शिखर से मैदानी अमले के साथ सीधे संवाद की व्यवस्था बनाई गई है। भोपाल से प्रदेश के समस्त जिलों में वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद, माननीय मुख्यमंत्रीजी द्वारा ''समाधान–आनलॉइन'' एवं माननीय मुख्य सचिव द्वारा ''परख'' कार्यक्रम में मैदानी अमले के कार्य की समीक्षा की जा रही है। इसी प्रणाली का विस्तार कर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र एवं भारत संचार निगम लिमिटेड के सहयोग से जिला मुख्यालय पर स्टूडियो का निर्माण कर चारों विकासखण्डों क्रमशः अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी एवं पुष्पराजगढ़ को वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला मुख्यालय से जोड़ा गया है, जिसके लिये बी.आर.सी. भवन में स्टूडियों स्थापित किया गया है।

विकासखंड स्तरीय वीडियों कांफ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से मानीटरिंग किये जाने से जिले के दूरस्थ अंचल में निवासरत ग्रामीणों को शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पूरा लाभ मिलना सुनिश्चित किया जा सका है तथा उक्त व्यवस्था से विकासखण्ड स्तरीय अमले को बार–बार जिला स्तर पर बैठकों में बुलाकर उनसे संवाद करने के बजाय वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश दिये जाने व समीक्षा किये जाने से योजनाओं एवं कार्यक्रमों को समय–सीमा के भीतर लागू किये जाने के प्रयास है साथ ही शासन के धन की बचत भी होती है।

1.17.3 हैलो अनूपपुर

आम जनता की समस्या के निराकरण तथा उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभ दिलाये जाने में मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा अनूपपुर जिले में काल सेन्टर ''हैलो अनूपपुर'' की स्थापना की गई है। यह काल सेन्टर सप्ताह में सातों दिन एवं 24 घण्टे क्रियाशील रहता है। कोई भी व्यक्ति शासन के किसी भी विभाग से संबंधित शिकायत/अपेक्षा को इस केन्द्र पर दूरभाष के माध्यम से दर्ज करा सकता है।

1.17.4 विकासखण्डवार सामुदायिक सेवा केन्द्रो का विवरण

तालिका 1.17.4 विकासखण्डवार सामुदायिक सेवा केन्द्रो का विवरण

क्र.	विकासखंड	आईसेक्ट केन्द्र	एम.पी. ऑनलाईन केन्द्र	कुल
1	पुष्पराजगढ़	36	33	69
2	अनूपपुर	21	20	41
3	जैतहरी	27	22	49
4	कोतमा	23	21	44
	कुल	**107**	**96**	**203**

(स्रोत्र – आईसेक्ट एवं एम.पी. ऑनलाईन बेवसाईट)

1.18 विद्युतीकरण

1.18.1 तहसीलवार विद्युत उपस्टेशन एवं वितरण केन्द्रों का विवरण

तालिका 1.18.1 तहसीलवार विद्युत उपस्टेशन एवं वितरण केन्द्रों का विवरण

क्र.	तहसील	विद्युत क्षमता	उपकेन्द्र	वितरण केन्द्र
1	अनूपपुर	33/11 kv	अनूपपुर	अनूपपुर
		33/11 kv	चचाई	चचाई
2	कोतमा	33/11 kv	बिजुरी	बिजुरी
		33/11 kv	कोतमा	कोतमा
		33/11 kv	परासी	कोतमा
3	जैतहरी	33/11 kv	जैतहरी	जैतहरी
		33/11 kv	वेंकटनगर	जैतहरी
4	पुष्पराजगढ़	33/11 kv	अमरकंटक	अमरकंटक
		33/11 kv	बेनीबारी	राजेन्द्रग्राम
		33/11 kv	पयारी	राजेन्द्रग्राम
		33/11 kv	राजेन्द्रग्राम	राजेन्द्रग्राम

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

विद्युत उत्पादन के लिये जिले के चचाई में अमरकंटक थर्मल विद्युत संयंत्र स्थापित है। चचई विद्युतघर की कुल उत्पादन क्षमता 290 मेगावाट है। विद्युत कनेक्शन की बड़ी संख्या को बनाये रखने के लिए आवश्यक बुनिदायी सुविधाओं की कमी के कारण विद्युतीकृत घरों का कम प्रतिशत होना ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की कम खपत का मुख्य कारण है। गांवों और मजरा टोलों में बिजली की समुचित बुनियादी सुविधाओं की

अनुपलब्धता के कारण किसान कृषि के लिए पम्प का उपयोग करने में असमर्थ है और सिंचाई के लिए भूमिगत जल का दोहन करने में अक्षम हैं।

जिले के समस्त विकासखंडो में विद्युत सब केन्द्रो एवं वितरण केन्द्रो को स्थापित किया गया है। इन सभी विद्युत उप केन्द्रो की विद्युत क्षमता 33/11 kv है।

1.18.2 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामों का विवरण

तालिका 1.18.2 विकासखंडवार विद्युतीकृत ग्रामो का विवरण

क्र.	जनपद पंचायत	विद्युतीकृत ग्राम	ग्रामों की संख्या	आबाद ग्राम	ग्राम पंचायतें
1	पुष्पराजगढ़	229	271	265	119
2	अनूपपुर	95	99	95	52
3	जैतहरी	135	139	139	80
4	कोतमा	67	69	69	31
	कुल	526	578	568	282

(स्रोत्र – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिले में कुल आबाद ग्रामो की संख्या 568 है, जिसमें से विद्युतीकृत ग्रामो की संख्या 526 है। सर्वाधिक 229 विद्युतीकृत ग्राम पुष्पराजगढ़ विकासखंड मे एवं सबसे कम 67 कोतमा विकासखंड मे स्थित है। जैतहरी विकासखंड में 135 एवं अनूपपुर विकासखंड में 95 विद्युतीकृत ग्राम है।

जिले में वर्ष 2008–09 मे कुल 526 ग्रामों का विद्युतीकरण कर लिया गया है जो कि कुल ग्रामों से 91.96 प्रतिशत है। जिसमें एक बत्ती कनेक्शन की संख्या 22286 है एवं पम्प सैट का उर्जीकरण संख्या 3063 तथा बायो गैस संयंत्र संख्या 7 है। जिले में अविद्युतीकृत ग्रामों का विद्युतीकरण और विद्युतीकृत ग्रामों का सघन विद्युतीकरण का कार्य राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना में किया जा रहा है।

1.18.3 जिले में विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति

वर्ष 2008–09 की स्थिति में जिले में विद्युतीकृत ग्रामों का प्रतिशत 91.96 है। इस वर्ष में उर्जीकृत पंपसेट की संख्या 3063 है एवं एक बत्ती कनेक्शन की संख्या 22,286 है। विद्युत के कुल उपभोग से ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत उपयोग 65.09 प्रतिशत है। तालिका 1.18.3 में जिलें में विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति को दर्शाया गया है।

तालिका 1.18.3 जिले मे विद्युतीकरण एवं ऊर्जा की स्थिति							
क्र.	मद	इकाई	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
1	विद्युतीकरण ग्राम	संख्या	516	516	523	526	526
2	कुल विद्युतीकृत ग्राम का कुल ग्राम से प्रतिशत	प्रतिशत	91	91	93.39	91.96	91.96
3	पम्प सेट का उर्जीकरण	संख्या	2157	1508	1298	2125	3063
4	कुल ग्रामीण उपभोग	हजार कि.वा. हा.	40268	3445271	19694322	20111010	21070108
5	कुल उपभोग से ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत उपयोग %	प्रतिशत	24.60	67.00	62.95	65.25	65.09
6	एक बत्ती कनेक्शन	हितग्राही संख्या	17890	17890	17927	20660	22286
7	बायो गैस संयंत्र	संख्या	0	0	0	4	7

(स्रोत्र–जिला सांख्यिकी पुस्तक–2009)

1.19 खनिज एवं उद्योग

अनूपपुर जिला खनिज संसाधनों में समृद्ध है। जिले में कोयला, बाक्साइट एवं फायर क्ले जैसे मुख्य खनिज प्रचुर मात्रा में पाये जाते है। कोतमा उपमण्डल में अधिकांश कोलमाइंस स्थित है। अमरकंटक बाक्साईट खदानों के लिए जाना जाता है। ओरिएंट पेपर मिल और कास्टिक सोडा फैक्ट्री अम्लाई में स्थित है। पॉलिथीन एवं बांस की टोकरी के लघु उद्योग भी जिले में संचालित हैं। व्यंकटनगर में बीड़ी उद्योग का कारखाना भी कार्यरत है। अनूपपुर जिले के गोविन्दा एवं राजनगर क्षेत्र में उत्पादन आधारित कोयला अन्वेषण कार्य, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

1.19.1 जिले मे लघु उद्योगों की स्थापना

जिला उद्योग केन्द्र, खादी ग्रामोद्योग एवं ग्रामीण विकास के कार्यक्रम अंतर्गत जिले में वर्ष 2004–05 तक कुल 83 लघु उद्योग एवं वर्ष 2008–09 में 190 लघु उद्योग स्थापित

किये गये हैं। जिले में मुख्य रूप से पॉलिथिन, बांस टोकरी निर्माण आदि के लघु उद्योग स्थापित है।

तालिका 1.19.1 जिले मे लघु उद्योगों की स्थापना

क्र.	मद	2004–05	2005–06	2006–07	2007–08	2008–09
1	लघु उद्योगों की स्थापना	83	114	61	173	190

(स्रोत–जिला विकास पुस्तक–2009)

1.19.2 प्रमुख खनिज पदार्थ राजस्व

वर्ष 2009–10 (नवम्बर 2009 की स्थिति में) में प्रमुख खनिज पदार्थ राजस्व प्राप्ति रू 7,662.71 लाख थी।

तालिका 1.19.2 प्रमुख खनिज पदार्थ राजस्व प्राप्ति (रूपयों में)

क्र.	खनिज पदार्थ	वर्ष 2008–09	वर्ष 2009–10 (नवम्बर 2009 की स्थिति में)
1	कोयला	1116974611	710919805
2	बाक्साइट	58988184	44201242
3	रेत	1860415	1643218
4	मुरूम	261468	1383194
5	पत्थर	4760897	4149583
6	गिट्टी	9440398	3973697
	योग	**1,19,22,85,973**	**76,62,70,739**

(स्रोत–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

जिले में खनिज संसाधनों जैसे– कोयला एवं बाक्साईट की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता जिले में स्थापित ताप विद्युत घर एवं एल्यूमीनियम आधारित उद्योगों को जरूरी कच्चा माल उपलबध कराते हैं। अनूपपुर जिले में रेत, मुरम, पत्थर एवं मिट्टी प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं, जो क्षेत्र के निर्माण अधोसंरचना के विकास में जरूरी कच्चे माल के रूप में उपयोगी है। बहुतायत से पाए जाने वाले खनिज यथा चूना पत्थर, बाक्साइट की जिले में मूल्य संवर्धन संयंत्र स्थापित करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

1.20 वित्तीय संस्थायें

वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु जिले में कुल 24 वाणिज्यिक बैंक, 13 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 5 सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं एक भूमि विकास बैंक की शाखाएं स्थापित है। सहकारी संस्थाऐं जिले में अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण, खाद, बीज और कृषि आदानों की व्यवस्था, शहरी साख व्यवस्था, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण, शहरी उपभोक्ता सहकारिता, आवास सहकारिता एवं मत्स्य, डेयरी, वनोपज, बुनकर तथा खनिजकर्म, वैधानिक कार्य की गतिविधियों का संचालन कर रही है। सहकारिता क्षेत्र में ग्रामीणों को अल्पकालीन साख सुविधा सुनिश्चित करने के लिये मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक सहित जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियॉ कार्य करती है। इसी प्रकार दीर्घकालिक साख व्यवस्था के अंतर्गत म.प्र. राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों के माध्यम से दीर्घकालीन ऋण वितरित किया जाता है।

तालिका 1.20 विकासखंडवार वाणिज्यिक/सहकारी बैंको के संचालन की स्थिति

तहसील	वाणिज्यिक बैंक		क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक		सहकारी बैंक		कुल योग		
	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	योग
कोतमा	2	2	1	2	1	0	4	4	8
अनूपपुर	4	3	1	3	1	1	6	7	13
जैतहरी	4	4	2	2	1	0	7	6	13
पुष्पराजगढ	1	4	0	2	1	0	2	6	8
योग	**11**	**13**	**4**	**9**	**4**	**1**	**19**	**23**	**42**

(स्रोत्र–जिला कलेक्ट्रेट, सामान्य जानकारी, जिला अनूपपुर. 2010)

1.21 रोजगार की स्थिति

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड में रोजगार का प्रतिशत 69.43 है, जो कि जिले के चारो विकासखंडों में सर्वाधिक है। अनूपपुर विकासखंड में रोजगार का प्रतिशत सबसे कम है, अर्थात् 48.54 प्रतिशत है। जैतहरी विकासखंड मे बेरोजगारो की संख्या सर्वाधिक है। जिले मे विकासोन्मुखी योजना के संचालन मे रोजगार को बढ़ावा देने के उपायो पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

1.21.1 विकासखंडवार रोजगार

तालिका 1.21.1 विकासखंडवार रोजगारों एवं बेरोजगारों की संख्या का विवरण

क्र.	विकास खण्ड	कृषक	खेतीहर मजदूर	स्थानीय कारीगर	अन्य	बेरोजगार	रोजगार का प्रतिशत
1	पुष्पराजगढ़	72585	29223	1292	4913	79479	69.43
2	अनूपपुर	12643	11350	835	5505	47687	48.54
3	जैतहरी	33344	29063	1830	8066	84569	68.78
4	कोतमा	11621	7527	454	4894	24923	60.46
	कुल	**130193**	**77163**	**4411**	**23378**	**236658**	

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

जिला अनूपपुर की जनपदों में सबसे अधिक व्यक्ति कृषि व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। जिला अनूपपुर मे खेती के अतिरिक्त आजीविका के अन्य स्रोतों की संभावनाओं को तलाशने की आवश्यकता है। आजीविका मे कुटीर उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान है।

1.21.2 विकासखंडवार प्रमुख व्यावसायिक समूह

तालिका 1.21.2 विकासखंडवार प्रमुख व्यावसायिक समूह

क्र.	जनपद पंचायत	कृषक		खेतीहर मजदूर		कुटीर उद्योग		अन्य	
		पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
1	पुष्पराजगढ़	38867	33718	12088	17135	795	497	3775	1138
2	अनूपपुर	9829	2814	5429	5921	578	257	4922	583
3	जैतहरी	23238	10106	12219	16844	1230	600	6575	1491
4	कोतमा	7447	4174	2756	4771	267	187	3974	920
	कुल	**79381**	**50812**	**32492**	**44671**	**2870**	**1541**	**19246**	**4132**

(स्रोत – जिला सांख्यिकी पुस्तिका, 2009)

अध्याय – 2
SWOT विश्लेषण एवं जिला दृष्टि

मध्यप्रदेश में बी.आर.जी.एफ. के तहत् चयनित जिला अनुपपुर में जिला स्तर के साथ–साथ जनपद एवं नगरीय निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं विभाग प्रमुखों के साथ कार्यशालायें आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं में जनपद एवं नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय कर्मचारियों को बी.आर.जी.एफ. अंतर्गत योजना निर्माण हेतु संवेदनशील किया गया। गांवों एवं कस्बों के आधारभूत सर्वे तथा स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उनकी जरूरतों एवं आकांक्षाओं की पहचान कर ही जिले के सर्वागीण विकास की योजना बनाई जा सकती है। पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष योजना के द्वारा अधोसंरचनात्मक अन्तर को कम करने, उपलब्ध संसाधनों तथा जिले की ताकतों के साथ प्रस्तावों की प्राथमिकता निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है।

बी.आर.जी.एफ. योजनान्तर्गत लोकोन्मुखी कार्ययोजना निर्माण, राज्य योजना आयोजन के द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि आने वाले समय में नियोजन की प्रक्रिया को और मजबूत बनायेगा। इस तरह के नियोजन में स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी के साथ स्थानीय जरूरतों के आधार पर विभिन्न परिस्थितियों का विश्लेषण कर विकास कार्यो की दिशा तय होती है।

विभिन्न जनपदों में सरपंच, सचिव, विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, जनपद पंचायतों के प्रतिनिधि के अलावा स्थानीय विधायकों एवं सांसदों/सासंद प्रतिनिधियों द्वारा भी कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी निभाई गई, जो कि लोकोन्मुखी कार्ययोजना विकास हेतु अतिआवश्यक थी। बी.आर.जी.एफ. योजना के नियोजन में विधायकों एवं सांसदों का जुडाव होने से भविष्य में नियोजन की प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। कार्यशाला में मुख्य रूप से पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष के तहत् अगले पांच वर्षो में नगरीय निकाय में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि क्षेत्रों में अधोसंरचना, आजीविका एवं मानव क्षमता विकास की संभावनाओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की गई।

नगरीय क्षेत्र की कार्यशाला में नगर के विधायक, नगर प्रशासक, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर के जागरूक नागरिक और स्थानीय पत्रकार आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के प्रारम्भ में संस्था ने पिछड़ क्षेत्र अनुदान कोष (बी.आर.जी.एफ.) योजना क्या है और इसे भारत सरकार ने क्यों चालू किया है तथा पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष में जिलों का चयन किन आधारों पर हुआ है आदि पर सभी नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की समझ बनाई गई। पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष (बी.आर.जी.एफ) योजना के तहत् नगरीय निकायों के पंचवर्षीय (2012–2017) नियोजन पर खुली चर्चा में सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने अपने–अपने सुझाव दियें जैसे नगर में रोजगार की संभावनाए तो है, लेकिन जरूरी अधोसंरचना जैसे सब्जी बाजार, अन्य वर्गीकृत बाजार आदि नहीं है, इसके साथ–साथ कुछ नागरिकों ने नगर की नलजल योजना का विस्तार और नये फिल्टर प्लांट लगाने पर जोर दिया, कुछ नागरिकों ने शिक्षा के विकास के लिये हॉस्टल और नये कॉलेज की मांग की।

जिला अनूपपुर आदिवासी बाहुल्य कृषि प्रधान जिला होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा संचालित गतिविधियों का ध्यान भी आदिवासी वर्ग के कल्याण एवं कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर केन्द्रित है। जिले में प्रशासन की प्राथमिकता के बिन्दु निम्नानुसार है–

1. कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाना।
2. ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराकर पलायन रोकना।
3. जिले में स्वास्थ्य सेवायें की सहज उपलब्धता सुनिश्चित कराना।
4. जिले में शिक्षा की गुणात्मकता में वृद्धि करना।
5. जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सुसंचालन।
6. बुनियादी संरचना यथा– सिंचाई, सड़क आदि की व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विकास कार्यक्रमों को गति प्रदान करना।
7. जन समस्याओं के निराकरण हेतु एक बेहतर व्यवस्था बनाना।
8. जिले में ग्राम पंचायत संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण कर उन्हें गतिविधि एवं आस्था का केन्द्र बनाना।

2.1 ताकतों, कमजोरियों, अवसरों एवं खतरों (SWOT) विश्लेषण

अनूपपुर जिलें में अपने विकास की ताकत एवं कमजोरी जैसे दोनों पक्ष हैं। जिला अविकसित होने के कारण कमजोरियां ज्यादा है, इसकी तुलना में ताकत कम है। बाहरी वातावरण के विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जिले में कुछ महत्वपूर्ण

संसाधनों की उपलब्धता होने के कारण जिले को विकसित करने की अपार क्षमता है। अनूपपुर जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों की जनसंख्या अधिक है। अतः इनके विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कुछ प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों के विकास पर अगर उचित ध्यान दिया जाये तो जिले का विकास तेज गति से हो सकता है।

दृष्टि निर्माण के परिपेक्ष्य में पिछड़ेपन के कारणों को पहचानना ही काफी नहीं है बल्कि यह विष्लेषण करना भी जरूरी है कि पिछड़ेपन को दूर करने के दृष्टिकोण से जिले के भीतर कौन से अवसर उपलब्ध है तथा किस प्रकार के खतरे सामने आ सकते है। इसके अतिरिक्त संस्थागत रूप से जिले की क्या ताकत है तथा किस प्रकार की कमजोरियां है, इसे भी आंकलित करना जरूरी है।

अवसर और खतरों की पहचान बाह्य वातावरण में की जाती है तथा ताकत एवं कमज़ोरियों को अपने भीतर देखा जाता है। उदाहरण के लिए जिले के मुख्य पिछड़ेपन यानि महिलाओं एवं बाल कल्याण की पिछड़ी स्थिति को दूर करने के परिपेक्ष्य में यह विष्लेषण करना होगा की जिले में ऐसे कौन–कौन से अवसर उपलब्ध है जो इस पिछड़ेपन को दूर करने में मद्द करेंगे साथ ही यह भी देखना होगा कि इस दिषा में कौन–कौन सी चुनौतियां/खतरे सामने खड़े है। एकत्रित आंकडों के विश्लेषण के उपरांत जिले की ताकत, कमज़ोरियां, अवसर एवं चुनौतियों के निम्न बिन्दु निकलकर सामने आए है :–

2.1.1 ताकतें

जिले को मजबूत एवं बेहतर बनाने के लिए उसकी ताकतों का विश्लेषण सही अर्थों में करके उन्हें पहचानना अतिआवश्यक है, जो मौजूदा स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। ये ताकतें निम्नानुसार हैं –

1. जिले में पर्याप्त वर्षा (औसत वर्षा 900 से 1100 मि.मी.) के कारण नदी–नालों एवं अन्य बारहमासी जल संसाधनों से कृषि एवं कृषि से संबंधित अन्य कार्यों के लिये जल की उपलब्धता।

2. जिले में पड़त भूमि एवं वनों के नजदीक पशुधन एवं दुग्ध उत्पादन के लिए चराई हेतु चारागाह एवं पर्याप्त चारे की उपलब्धता।
3. जिले में ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का दर्शनीय स्थान अमरकंटक के कारण पर्यटन एवं इको टूरिज्म की आधारभूत संभावना।
4. जिले में कोयला एवं बाक्साईड जैसे खनिजों की उपलब्धता।
5. जिले में सड़कों का पर्याप्त आतंरिक जाल एवं उसका राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा होना।
6. जनजातीय समुदाय के विकास के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की उपलब्धता।
7. बाहरी वित्त पोषित परियोजनायें जैसे मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना एवं जिला गरीबी उन्मूलन परियोजना का संचालन।
8. जिले में नर्मदा बेसिन की बारहमासी नदियों का होना, जिनमें नर्मदा एवं सोन प्रमुख रूप से होना।
9. जिले में प्राकृतिक रूप से कई वनोषधियो की उपलब्धता।
10. अचानकमार–अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व में प्रचुर मात्रा में जैव विविधता के कारण भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा इसका अध्ययन हेतु चिन्हित होना।

2.1.2 कमजोरी

जिले में अधिक विकास की पूरी संभावनाएं मौजूद हैं, परंतु इनको पूरा करने के लिये जिले में कई ऐसी कमजोरियां हैं, जिनकी वजह से विकास की गति बढ़ाने में कठिनाईयां आ रही हैं। जिले की उल्लेखनीय कमजोरिया इस प्रकार हैं –

1. जिले में कृषि सिंचिंत क्षेत्र मात्र 2 प्रतिशत होने के कारण बरसात के मौसम पर कृषि की निर्भरता।
2. जिले में कुल जनसंख्या का लगभग 46 प्रतिशत (2001 की जनगणना के अनुसार)। बेरोजगारो की जनसंख्या।

3. नदी, बरसाती नालों एवं औसत से अधिक बरसात होने के बावजूद सिंचाई सुविधाओं का विकास न होना।
4. स्वास्थ्य अधोसंरचना का विकास नहीं होने से पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव।
5. कृषि क्षेत्र के विस्तार एवं वन में बढ़ते दवाब के कारण वन संसाधनों का निरंतर कम होना।
6. घरेलू एवं लघु उद्योगों का सीमित विकास होना।
7. लिंगभेद परंपराओं के चलते क्षेत्र के विकास के निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा नहीं मिलना।
8. जिले के कुल कृषि क्षेत्रफल में द्विफसलीय कृषि भूमि के क्षेत्रफल का कम होना।
9. अनियमित विद्युत आपूर्ति एवं ग्रामीण स्तर पर विद्युत के बुनियादी ढाँचे का अभाव होना।
10. लघु वनोपज एवं कृषि उत्पादों की बिक्री व्यवस्था का विकास नहीं होना।

2.1.3 अवसर

जिले के विकास के लिये उसकी ताकत एवं कमजोरी को पहचानना जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण है, अवसरों को चिन्हित करके सशक्त कार्ययोजना का निर्माण करना ताकि उन अवसरों को विकास के रूप में बदला जा सके।

1 सरकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन हेतु पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यकुशलता बढ़ाना।

2 लघु वनोपज विशेष रूप से महुआ, बांस, बेल, आंवला और औषधीय पौधों की विभिन्न किस्मों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता को व्यवसायिक रूप देना।

3 जिले के बड़े क्षेत्र को द्विफसलीय क्षेत्र के अंतर्गत शामिल करना।

4 कच्चे माल बाक्साईट की उपलब्धता होने के कारण जिले में उद्योग के रूप में एल्युमिनियम कारखाना स्थापित होने की संभावना।

5 बरसाती जल का उचित प्रबंध कर कृषि के सिंचित क्षेत्र का विस्तार करना।

6 पर्यटन एवं इससे जुड़ी अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों का विकास जैसे –अमरकंटक पर्यटन क्षेत्र का विकास।

7 विभिन्न संचार माध्यम एवं विद्युत क्षेत्र जैसे पवन उर्जा में विकास के अवसर।

8 युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये इंटरनेट कयास्क शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्र में या ग्रामीण क्षेत्र में भी लगाये जा सकते हैं। इससे स्वरोजगार के साथ सूचना उद्योग का विस्तार होना।

2.1.4 खतरे

1. वनों की सघनता में निरंतर कमी आना।
2. आजीविका के अवसरों एवं मौसम के अनुसार रोजगार में कमी के कारण लोगों का पलायन होना।
3. विद्युत ऊर्जा की कम एवं अपर्याप्त आपूर्ति होना।
4. निरंतर कोयला एवं बाक्साईट के उत्खनन से क्षेत्र में पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ने का खतरा।
5. सीमा क्षेत्र के गांवों में अवांछित गतिविधियों के बढ़ने की संभावना।

2.2 विकासात्मक दिग्दर्शिका

यह दस्तावेज स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अनूपपुर जिला सामाजिक, मानवीय एवं आर्थिक दृष्टि से राज्य के औसत से कम है। सभी संदर्भों में – कृषि, उद्योग एवं सेवाओं का औसत, राज्य के औसत से कम तथा इसकी विकास दर भी कम है। यह दस्तावेज इन सभी बातों को देखते हुए विकास के नये अवसर दिये जाने की प्रेरणा देता है। जिले के विकास में निम्नलिखित क्षेत्रो को शामिल किया जाना चाहिए –

प्रमुख क्षेत्र	उद्योग	सेवा क्षेत्र
कृषि	मध्यम उद्योग	महिला शिक्षा
पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन		स्वास्थ्य सेवाएं
सिंचाई योजनाएं		उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा
लघु वनोपज		सूचना प्राद्यौगिकी
खनिज संधान		पर्यटन

2.3 जिला दृष्टि

बी.आर.जी.एफ. योजनान्तर्गत पंचवर्षीय (2012–2017) नियोजन हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित विभिन्न चर्चा सत्रों के दौरान हितग्राहियों ने अपने विचार एवं क्षेत्र के पिछड़ेपन के कारणों को व्यक्त किया। आमतौर पर गरीबी, बीमारी और जीवन–यापन में बढ़ती लागत जैसी मुख्य समस्याओं को विचार–विमर्श में मुख्य मुद्दा बनाया गया है। बदलाव के लिए संघर्ष, शिक्षा, पशुधन और सामाजिक रिवाज तथा पंचायती राज के बुनियादी ढ़ाँचे के विकास पर चर्चा केन्द्रित कर विभिन्न गतिविधियों का प्राथमिकता के आधार पर चयन किये जाने का प्रयास किया जाना है। क्षेत्र अनुसूचित जाति एवं जनजाति बाहुल्य होने के कारण उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं आंगनवाड़ियों को बढ़ाने के प्रयास, ग्रामों के विद्युतिकृत होना एवं हर स्तर में क्षमता विकास के प्रयास के अवसर को चिन्हित कर बी.आर.जी.एफ. योजना में प्राथमिकता के आधार पर नियोजित करना आवश्यक है।

जिला दृष्टि

जैव विविधता को बरकरार रखते हुए वन संसाधन एवं खनिज सम्पदाओं के समुचित उपयोग और कृषि सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाते हुये जिले में आजीविका के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना।

2.4 जिले के विभिन्न विकासखण्डों की ताकतों, कमजोरियों, अवसरों एवं खतरों का तुलनात्मक विश्लेषण

जिले के सामाजिक, भौगोलिक एवं आर्थिक क्षेत्रों से संबंधित तथ्यों का विश्लेषण करने से यह प्रतीत होता हैं कि जिले के विभिन्न विकासखंडो में लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियां कमोबेश एक जैसी है। अपितु कुछ मापदण्डो पर विभिन्न विकासखंड आपस में एक दूसरे से भिन्न है।

जैतहरी विकासखण्ड

वर्ष 2010–11 के ऑकडों के अनुसार जैतहरी विकासखंड में सबसे कम 634 कि.मी. औसत के बावजूद सिंचाई सुविधाओं के अंतर्गत सबसे अधिक रकवा होना स्पष्ट रूप से ताकत है। इस विकासखंड में सबसे अधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है जबकि एक भी महाविद्यालय नहीं है। उपचारित पशुओं की संख्या सबसे अधिक है। टेलीफोन कनेक्शन एवं पी.सी.ओ. की संख्या विकासखण्ड में जिले की तुलना में सबसे कम है जो संचार के क्षेत्र में विकासखण्ड की कमजोरी है। बैंकों की शाखाओं की संख्या अच्छी है।

पुष्पराजगढ़ विकासखण्ड

पुष्पराजगढ़ विकासखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल जिले के अन्य विकासखण्डों की तुलना में सबसे अधिक है एवं आबाद ग्राम की संख्या भी सबसे अधिक है। यहॉ सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति निवासरत् है। विकासखंड में सबसे अधिक प्राथमिक पाठशालायें एवं माध्यमिक विद्यालय है, इस विकासखंड में एक भी हरिजन छात्रावास नहीं है। विकासखंड में पशुधन की संख्या सबसे अधिक है परंतु कृत्रिम गर्भधारण की संख्या सबसे कम है। विकासखंड में कुल ग्रामों की संख्या के परिपेक्ष्य में कुल ऑगनवाड़ियों की संख्या कम है। विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या कुल आबाद ग्रामों की संख्या की तुलना में कम है जो इस विकासखंड के विकास में बाधा है। सबसे अधिक कोयला भण्डार इस विकासखंड की धरोहर है। वाणिज्यिक बैंक की संख्या सबसे कम है, जो क्षेत्र के वाणिज्य व्यापार में प्रमुख बाधा है।

अनूपपुर विकासखण्ड

अनूपपुर विकासखंड में दो नगर पालिकाएं है। इस विकासखंड में दो ग्राम 10000 से अधिक जनसंख्या वाले है। विकासखंड में जिले के अन्य विकासखण्डों की तुलना में ग्रामीण साक्षरता सबसे कम है। अशासकीय क्षेत्र के पॉचों महाविद्यालय इसी विकासखंड में

है। सिंचाई सुविधाओं के अंतर्गत कम रकवा है जो कि इस विकासखंड के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए खतरे के रूप में देखा जा सकता है। इस विकासखंड में पी.सी.ओ. एवं टेलीफोन कनेक्शन की संख्या सबसे अधिक है, जो इस विकासखंड को बाहरी क्षेत्र से संचार माध्यम के द्वारा जोड़ने में सहायक है एवं इस विकासखंड की ताकत है। वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंकों की संख्या अच्छी है, रोजगार का प्रतिशत सबसे कम है जो इस विकासखंड की कमजोरी है।

कोतमा विकासखण्ड

कोतमा का भौगोलिक क्षेत्रफल सबसे कम है एवं आबाद ग्राम की संख्या भी सबसे कम है। इस विकासखंड में दो नगर पालिकाएं है। हाई स्कूल के संख्या जिले के अन्य विकासखण्डों की तुलना में सबसे कम है। कोतमा में 105109 जनसंख्या पर एक ही सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र है। इस विकासखंड में पशुधन की संख्या बहुतायत में है जो इस विकासखंड की ताकत है परंतु इस विकासखंड में पशु औषधालय सबसे कम है जो इस विकासखंड की कमजोरी है।